भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

प्रेस विज्ञप्ति

कॉस्ट मैनेजमेंट में उत्कृष्टता के लिए 14 वां राष्ट्रीय अवार्ड - 2016

नई दिल्ली 1 मई, 2017 : भारतीय लागत लेखाकार संस्थान (द इन्स्टीट्यूट ऑफ कॉस्ट एकाउंटेटस ऑफ इंडिया) धारणीय आर्थिक विकास हेतु लागत प्रतिस्पर्धात्मक्ता प्राप्त करने के अपने प्रमुख उत्तरदायित्व के भाग रूप में निगमित क्षेत्र में लागत प्रबंधन संस्कृति तथा अभ्यास को बढावा देना, पहचान और पुरूस्कृत करने के लिए निरन्तर अग्रणी प्रयास कर रहा है ।

श्री एस. सुरेश. सदस्य (वित्त), भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण और लागत प्रबंधन में उत्कृष्ठता के लिए 14वें राष्ट्रीय अवार्ड 2016 की स्क्रीनिंग समिति के अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय अवार्डें में भारतीय उधोग की भागीदारी दर्शाती है कि लागत प्रबंधन और लागत प्रतिस्पर्धात्मक्ता प्राप्त करने के लिए उधोग ने सकारात्मक प्रयास किए है ।

सी एम ए मानस कुमार ठाकुर, संस्थान के अध्यक्ष ने इस अवार्ड समारोह का इतिहास बताते हुए कहा कि लागत प्रबंधन में उत्कृष्ठता के लिए यह राष्ट्रीय पुरस्कार संस्थान द्वारा वर्ष 2003 में शुरू किया गया था । इसका उद्देश्य उधोग द्वारा अपनाई गई गुणात्मक लागत प्रबंधन नीतियों को चिहिन्त करना तथा निगमित क्षेत्र का उनकी लागत प्रबंधन पहलों के लिए राष्ट्रीय व वैश्विक पहचान प्राप्त करने के लिए उत्साहित करना था । प्रति वर्ष अवार्ड विजेताओं का चुनाव जूरी के प्रतिष्ठित पैनल द्वारा किया जाता है ।

संस्थान ने विभिन्न क्षेत्रों में लागत प्रबंधन टूल्स को लागू करने तथा विभिन्न लागत प्रबंधन नीतियों को अपनाए जाने को हमेशा बढ़ावा दिया है ।

श्री एस. सुरेश तथा मानस कुमार ठाकुर ने निर्माण से लेकर सेवा क्षेत्र तक सभी क्षेत्रों से अनुरोध किया है कि वे बड़ी संख्या में इसमें भाग लें ताकि सर्वश्रेष्ठ लागत प्रबंधन प्रथा की संस्कृति संगठन का अनिवार्य भाग बन सकें ।

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें
म.प्र. (जनसंपर्क) 011-24622787,9811521881,
सं. 06/2017-18

चित्र : (बाएं से दायें) सर्वश्री : सौरभ श्रीवास्तव, सी जी एम, एच एस सी सी (इंडिया) लिमि. सुनील भाटिया सी एफ ओ, रामागुंदम फर्टिलाईजेर्स एंड केमि. लिमि. संदीप गोयल कार्यरत कॉस्ट एकाउंटेंट, हर्ष अरोड़ा, निदेशक तथा सी एस, पर्फेटि वैन मेले प्रा. लि., मोनिका गुप्ता कार्यरत कॉस्ट एकाउंटेंट, ए. के. ढींगरा, संयुक्त परामर्शदाता (एफ एंड एफ ए) ट्राई, संजय गुप्ता, उपाध्यक्ष, आई सी एआई, एस. सुरेश, सदस्य (वित्त) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, राम सिंह, निदेशक (वित्त) इंजीनियर्स इंडिया लिमि., नीरू अबरोई, वरिष्ठ परामर्शदाता, आई एल एंड एफ एस एन्वार्यमेंट इन्फ्राष्ट्रक्चर एंड सर्विसिज लिमि. दीप इन्द्र सिंह, आई सी आर ए, एस. सी. गुप्ता, निदेशक, आई सी ए आई तथा करण सूद, आई सी आर ए

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

नागर विमानन प्रशिक्षण महाविद्यालय (सी ए टी सी), इलाहाबाद में स्मार्ट इंडिया हैकाथान 2017 का आयोजन ।

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 2017 :

'स्मार्ट इंडिया हैकाथन 2017 का ग्रैंड फिनाले 02 अप्रैल, 2017 को नागर विमानन प्रशिक्षण महाविद्यालय (सी ए टी सी) बमरौली, इलाहाबाद में संपन्न हुआ । सी ए टी सी, जो कि 'स्मार्ट हैकाथन 2017 के 26 स्थानों में से एक है, में पूरे भारत से 58 टीमों ने 36 घंटे के कार्यक्रम में भाग लिया । इन टीमों में वे छात्र शामिल थे जो गवर्नेंस में सुधार लाने के लिए समाधान तैयार कर रहे थे तथा भारत की भयावह समस्याओं के लिए नवोन्मेषी समाधान बता रहे थे ।

दिनांक 1 एवं 2 अप्रैल, को आयोजित इस दो दिवसीय कार्यक्रम, जिसका उद्दश्यों छात्रों की सृजनात्मकता एवं विशेषज्ञता का उपयोग करना था, की शुरूआत बहुत प्रेरणादायी रही क्योंकि श्री प्रकाश जावड़ेकर माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री ने एक वीडियो भाषण के माध्यम से

हैकाथन 2017 के शुरूआत की घोषणा की । भाग लेने वाली टीमों ने अपने परामर्शदाताओं (मेंटर), प्रत्येक टीम के लिए दो मेंटर, के दिशा-निर्देशन में कार्य किया । टीमों ने उनके समस्या प्रस्तुत की गई समस्याओं के लिए उपयोगी समाधान सुझाए । टीमों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करने के लिए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरएण तथा आल इंडिया काउंसिल फॉर हायर एजुकेशन (ए आई सी टी ई) सहित विभिन्न सरकारी विभागों से 12 मूल्यांकनकर्ता उपस्थित थे ।

हैकाथन को दिन में एक बार फिर उस समय और गति मिली जब श्री नरेन्द्र मोदी, भारत के माननीय प्रधानमंत्री ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से प्रतिभागियों को संबोधित किया एवं उनसे बातचीत की । उन्होंने प्रौद्योगिकी, अनुसंधान एवं नई खोजों की महत्ता को बताया तथा यह भी जानकारी दी कि इस शताब्दी में इन्हें अपनाया जाना क्यों जरूरी है ।

आयोजन के दूसरे दिन, तीन चरणों का मूल्यांकन करने के बाद जामिया मिलिया इस्लामिया दिल्ली की नव प्रवर्तक टीम को 'स्मार्ट इंडिया हैकाथन -2017' का विजेता घोषित किया गया । बी वी सी सी ई, दिल्ली की टीम कोडर्स को पहला रनर्स अप घोषित किया गया । दिल्ली कॉलेज की हॉरीजन टीम द्वितीय रनर्स अप रही तथा प्रोत्साहन पुरस्कार भारतीय विद्यापीठ कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, दिल्ली की टीम क्राफ्टी को प्राप्त हुआ । पुरस्कार वितरण के दौरान श्री अनिल श्रीवास्तव, संयुक्त सचिव, नागर विमानन मंत्रालय, श्रीसुयश नारायण, निदेशक, नागर विमानन मंत्रालय, श्री आई. एन. मूर्ति, सदस्य (प्रचालन), भा वि प्रा, श्री वी. सतीश, कार्यपालक निदेशक (सूचना प्रौद्योगिकी), भा वि प्रा, श्री केशव शर्मा, प्रधानाचार्य, सी ए टी सी तथा प्रो. राजीव कुमार सलाहकार, ए आई सी टी ई उपस्थित थे ।

स्मार्ट इंडिया हैकाथन 2017 एक अनोखी पहल है जिसका उद्देश्य युवाओं, विशेषकर इंजीनियरिंग के छात्रों के दिमाग में नए विचारों एवं आउट ऑफ द बॉक्स सोच को विकसित करना है । इस कार्यक्रम की शुरूआत मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में परसिस्टेंट सिस्टम्स, नासकाम तथा रामभाउ म्हालगी पबोदिन (आर एम पी) के सहयोग से आल इंडिया काउंसिल फॉर हायर एजुकेशन (ए आई सी टी ई) द्वारा की गई है । नागर विमानन मंत्रालय इस कार्यक्रम का एक प्रमुख साझेदार था । प्रधानमंत्री मोदी के डिजिटल इंडिया पहल के एक अंश के रूप में स्मार्ट इंडिया हैकाथन का मुख्य जोर सामाजिक महत्व की उन समस्याओं पर रहा, जिसकी पहचान सरकार के 29 मंत्रालयों एवं विभागों ने की है । उन्होंने 598 समस्यओं की पहचान की है, जिस पर लगभग 42,000 छात्रों की 7531 टीमों ने प्रतिक्रिया दी । उनमें से 10,000 प्रतिभागियों वाली 1266 टीमों को फाइनल के लिए चुना गया था ।

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी

विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें
म.प्र. (जनसंपर्क) 011-24622787,9811521881,
सं. 02/2017-18

चित्र : स्मार्ट इंडिया हैकाथन 2017 के विजेता । जामिया मिलिया इस्लामिया, दिल्ली की 'नवप्रवर्तक' टीम प्रथम पुरस्कार के रूप में 1,00000/- रू . का चेक प्राप्त करते हुए ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

भा वि प्रा डी आर डी ओ तथा झारखंड सकार ने झारखंड के देवघर जिले में देवघर हवाईअड्डे के विकास के लिए त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए ।

नई दिल्ली, 28 मार्च, 2017 : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डी आर डी ओ) तथा झारखंड सरकार ने झारखंड के देवघर जिले में देवघर हवाईअड्डे के विकास के लिए एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) पर हस्ताक्षर किए । मौदजूदा देवघर हवाईअड्डे को ए 20 एवं सी-130 विमान के प्रचालन के लिए विकसित किया जाएगा । समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर का कार्य मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित एक समारोह में हुआ।

झारखड के माननीय मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास, माननीय केंद्रीय विमानन राज्य मंत्री जयंत सिन्हा, माननीय राज्य मंत्री, माननीय परिवहन मंत्री, झारखंड सरकार, श्री सी. पी. सिंह, माननीय सांसद श्री राम टहन चौधरी एवं माननीय सांसद श्री निशिकांत दुबे ने इस अवसर पर उपस्थित होकर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई ।

डॉ. गुरूप्रसाद महापात्र, आई.ए.एस अध्यक्ष भा वि प्रा, सुश्री राजबाला वर्मा, मुख्य सचिव, झारखंड सरकार, श्री अमित खरे, विकास आयुक्त, झारखंड सरकार, श्री सुधीर रहेजा, सदस्य (योजना) भा वि प्रा, श्री संजय जैन, क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक (पूर्वी क्षेत्र) भा वि प्रा, श्री एच.एस.चौधरी, अपर निदेशक, डी आर डी ओ, श्री अनिल विक्रम विमानपत्तन निदेशक, रांची तथा झारखंड सरकार, एवं भा वि प्रा के वरिष्ठ पदाधिकारी भी इस अवसर पर वहां उपस्थित थे ।

झारखंड सरकार ने 600.34 एकड़ भूमि का अधिग्रहण किया है, जिसे विद्यमान 53.41 एकड़ की देवघर हवाईअड्डे की भूमि के अलावा भा वि प्रा को सौंपा जाएगा । डी आर डी ओ, झारखंड सरकार तथा भा वि प्रा हवाईअड्डे को विकसित करने, इसे प्रचालन में लाने एवं इसके रख-रखाव के लिए क्रमश: 200 करोड़ रू. व 50 करोड़ रू. उपलब्ध कराएंगे । देवघर हवाईअड्डे को विकसित करने एवं इसे प्रचालन में लाने के लिए दी गई समय सीमा दो वर्षों की है ।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर होने पर झारखंड के माननीय मुख्यमंत्री श्री रघुबर दास माननीय केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री श्री जयंत सिन्हा, झारखंड सरकार के माननीय -परिवहन मंत्री श्री सी.पी.सिंह श्रीराम टहल चौधरी, माननीय सांसद एवं श्री निशिकांत दुबे, माननीय सांसद ने प्रशंसा की है ।

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी

विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें
म.प्र. (जनसंपर्क) 011-24622787,9811521881,
सं. 82/2016-17

चित्र : श्री संजय जैन, क्षेत्रीय कार्यपालक निदेशक (पूर्वी क्षेत्र), भा वि प्रा, श्री राम नारायण राम उप सचिव परिवहन (नागर विमानन) झारखंड सरकार तथा ग्रुप कैप्टन, एच.एस. चौधरी, अपर निदेशक , डी आर डी ओ, श्री जयंत सिन्हा माननीय केंद्रीय नागर विमानन राज्य मंत्री, श्री रघुबर दास, माननीय मुख्यमंत्री झारखंड श्री सी. पी. सिंह, माननीय परिवहन मंत्री, झारखंड सरकार एवं श्री निशिकांत दुबे, माननीय सांसद की गरिमामंयी उपस्थिति में झारखंड के देवघर जिले में देवघर हवाईअड्डे के विकास के लिए समझौता ज्ञापन (एम ओ यू) का आदान-प्रदान करते हुए ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने दमन तथा दीव हवाईअड्डे का प्रचालन, विकास तथा अनुरक्षण करने हेतु दमन एवं दीव संघशासित प्रशासन के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए ।

नई दिलली, 21 मार्च, 2017 : भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ने दीव प्रशासन से दीव हवाईअड्डे के प्रचालन, विकास तथा अनुरक्षण का कार्यभार संभाला है । भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण तथा दमन तथा दीव के संघशासित प्रशासन के बीच 20-3-2017 को उत्तरदायित्वों का निदर्शन करते हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को 10 मार्च, 2017 को हवाईअड्डा प्रचालन सौंपा गया । इस परिवर्तन से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण दीव हवाईअड्डे पर आवश्यक सुविधाएं, अवसंरचना तथा इसके अलावा, दीव हवाईअड्डे पर अवसंरचना के उन्नयन के उद्देश्य से भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण का योजना विभाग हवाईअड्डे के नए डिजाइन को शीघ्र ही विकसित करेगा वर्तमान में एयर इण्डिया दीव प्रशासन द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यवहार्यता गैप फंडिग पर सप्ताह में 4 बार विमान प्रचालन निर्धारित करती है । दीव हवाईअड्डे का प्रचालन, विकास तथा रखरखाव अब भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के नेतृव में किया जाएगा ।

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें
म.प्र. (जनसंपर्क) 011-24622787,9811521881,
सं. 79/2016-17

चित्र :- दीव हवाईअड्डे के प्रचालन विकास तथा रखरखाव हेतु डॉ. गुरूप्रसाद महापात्र, अध्यक्ष, भा वि प्रा (बीच में) की उपस्थिति में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण तथा दमन तथा दीव के संघशासित प्रशासन के परिष्ठ अधिकारी ने समझौता ज्ञापन का आदान प्रदान करते हुए ।

भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण

<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

विषय: तिरूपति हवाई अड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन को 4 स्टार जी आर आई एच ए <u>रेटिंग</u>
<u>।</u>

नई दिल्ली, 3 मार्च 2017: भारत में भवनों तथा स्थलों के विकास को बढ़ावा देने के लिए ग्रीहा के माध्यम से जी आर आई एच ए (ग्रीन रेटिंग फॉर इंटीग्रेटिड हैबीटेट एसेसमेंट) अनिवार्य है । ग्रीहा कॉउंसिल भारतीय उपमहाद्वीप में धारणीय हैबीट्टस से संबंधित वैज्ञानिक तथा प्रशासनिक मुद्दों पर बातचीत करने के लिए एक स्वतंत्र मंच है । इसकी स्थापना टेरी (ऊर्जा और संसाधन संस्थान नई दिल्ली) द्वारा एम एन आर ई (नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, भारत सरकार) के समर्थन से की गई थी ।

सचिव, भारत सरकार, नवीन तथा नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय, के निदेशों के अनुसार सार्वजनिक क्षेत्र के सभी आगामी भवनों को कम से कम 3 स्टार ग्रीहा रेटिंग लेनी अनिवार्य है ।

भा वि प्रा भी आगामी परियोजनाओं/भवनों के निर्माण में हरित भवन मानदण्डों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है । तदनुसार, भा वि प्रा ने तिरूपति हवाईअड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन के लिए ग्रीहा के साथ पंजीकरण किया है ।

तिरूपति हवाईअड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन में अपनाई गई प्रमुख्य विशेषताएं हैं ऊर्जा कुशल तथा मितव्ययी सामग्री जैसे फलाई ऐश ईंटॅ, कम गर्मी बढ़ाने वाले शीशे, एल ई डी लाइटिंग, ऊर्जा कुशल चिलर्स, कम वी ओ सी पेन्टस (वाष्पशील कार्बनिक कपाउंड) कम गर्मी प्राप्त गलेजिंग, संसाधित जल का पुन: उपयोग (600 के एल डी एस टी पी) डबल इन्सुलेटिड रूफिंग सिस्टम, उच्च क्षमता मोटरों के लिए वी एफ डी (वेरियबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव) ।

भा वि प्रा के लिए यह वास्तव में गर्व का क्षण है कि तिरूपति हवाईअड्डे पर नए एकीकृत टर्मिनल भवन को 4 स्टार ग्रीहा रेटिंग से सम्मानित किया गया है ।

जनसम्पर्क विभाग द्वारा जारी
विस्तृत जानकारी के लिए संपर्क करें
म.प्र. (जनसंपर्क) 011-24622787,9811521881,
सं. 73/2016-17

चित्र :- श्री जी. प्रभाहरण, महाप्रबंधक (योजना) , भा वि प्रा डॉ. गुरूप्रसाद महापात्र, आई ए एस, अध्यक्ष, तथा श्री एस. रहेजा, सदस्य (योजना) भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण को तिरूपति हवाई अड्डे को प्राप्त 4 स्टार ग्रीहा अवार्ड सौंपते हुए । चित्र में साथ में है श्री डी. के. कामरा, महाप्रबंधक (इंजी-सिविल) भा वि प्रा तथा श्रीमती चारूल शुक्ता, संयुक्त महाप्रबंधक (वास्तु) ।

नागर विमानन क्षेत्र में विकास के आंकडे दर्शाते हैं कि भारतीय हवाईअड्डों ने वर्ष 2015-16 में 223.6 मिलियन यात्री संभाले । पिछले अढ़ाई वर्षों के दौरान यात्रियों की संख्या में कुल मिलाकर औसत वृद्धि 33% रही । इस वृद्धि की दर से हमारे हवाईअड्डे वर्ष 2020-21 तक 400 मिलियन यात्री संभालने के लिए सक्षम हो जाएंगे । अत: यह आवश्यक है कि हम समय पर ही अपनी क्षमता को बढ़ा लें ताकि बढ़ती हुई मांग को पूरा किया जा सके । इतनी विकास दर को संभालने के लिए व्यापक नीति की आवश्यकता है । इसके लिए मेरी सरकार ने अलग प्रकार की प्रथम राष्ट्रीय नागर विमानन नीति बनाई है । यह नीति न केवल उचित मूल्य पर एयर नेटवर्क में टियर -II तथा टियर-III शहरों को जोड़ने के लिए क्षेत्रीय संपर्कता योजना पर ध्यान केन्द्रित करती है जिससे आम जनता को न केवल विमान सेवाओं से जोड़ा जा सके बल्कि अन्तरराष्ट्रीय संपर्कता एम आर ओ का विकास नागर विमानन क्षेत्र में शिल्प विकास तथा 'मेक इन इंडिया' अवधारणा को प्रोत्साहन देने के लिए लचीली व प्रोत्साहनकारी बाजार नीतियों पर ध्यान केन्द्रित किया गया है ।

हाल ही में, बीकानेर , गोवा, चंडीगढ़, तिरूपति और खजुराहो हवाई अड्डों पर हवाई अड्डा अवसंरचना को उन्नत तथा आधुनिकीकृत किया गया है । मुझे याद है, एक वर्ष पूर्व सितम्बर तथा अक्टूबर 2015 के माह में, मुझे तिरूपति तथा चंडीगढ हवाई अड्डों पर नए टर्मिनलों को राष्ट्र को समर्पित करने का गौरव प्राप्त हुआ ।